an>

Title: Regarding cleaning of river in Unnao Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

डॉ. स्वामी साक्षीजी महाराज (उन्नाव) : अध्यक्ष महोदया, मैं उत्तर प्रदेश के उन्नाव लोक सभा क्षेत्र से आता हूँ। यह कानपुर और लखनऊ महानगरों के बीच में एक छोटा-सा जनपद है। दुर्भाग्य है कि यहाँ पर एक दर्जन से ज्यादा बूचड़खाने हैं। एक दर्जन से ज्यादा चमड़े की फैक्ट्रियाँ हैं। उसका जो मलबा होता है, वह लोन नदी में जाता है। जबकि सरकार की योजना है कि नदियों को जोड़कर प्रधानमंत्री सिंचाई योजना बनायी जाएगी। लेकिन इन बूचड़खानों और टैनरियों से निकलने वाला मलबा लोन नदी में गिरता है और लोन नदी लबालब भरी हुई है, जिसके कारण वहाँ जो पशु चरने के लिए जाते हैं, वे फंस कर मर जाते हैं। गंगा में लोन नदी का जल जाता है, मछलियाँ मर जाती हैं। उन कट्टी घरों में, बूचड़खानों में जो भैंस और दुधारू पशु काटे जाते हैं, उनका खून बिना ट्रीटमेंट के ही 12 इंच बोर करके जमीन के अंदर डाल दिया जाता है। इससे दूषित पानी के कारण वहाँ पर पैदा होने वाले बच्चे विकलांग पैदा होने लगे हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ। यह सरकार की नीति भी है कि मांस के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। तो वहाँ एक कमेटी भेजी जाए और उन्नाव जनपद को बचाने की कृपा की जाए। टैनरियाँ और बूचड़खाने बंद किये जाएं।